

सुन ले - अरुज हमारी
हमारे प्यारे - गिरधारी ॥२॥

मुँह इँधयारी निकरी घर से
प्राण कपें मोरे लोरे डर से
हँस रयें हैं नर नारी
हमारे प्यारे बनवारी.

सुन ले -----

दान - दही को - रोज न माँगो
दोड़ो कलाई - अब तो भागो
देहै सास मोहे गारी
हमारे प्यारे बनवारी

सुन ले -----

ओ नादान न फोरो मटकी
आज श्याम जू हमारी अटकी
मानूँगी - बात तुम्हारी
हमारे प्यारे बनवारी

सुन ले -----

आज को दान-काल में देहो
 कैसे होइ अकेली रे हो
 रोबें गुजरियाँ सारी
 हमारे प्यारे बनवारी

सुन ले-----

होइो "श्री बाबा श्री" प्यारे मोरी डगरिया
 आऊंगी कल में बैरी सवरिया
 आज भई इंधयारी
 हमारे प्यारे बनवारी

सुन ले-----